AMAR UJALA MY CITY Page 3

लंबी ड्यूटी और संक्रमण की आशंका से पुलिसकर्मी परेशान

माई सिटी रिपोर्टर

लविवि के मनोविज्ञान विभाग की पुलिसकर्मियों के लिए आयोजित काउंसलिंग में आ रहे मामले

लखनऊ। लंबी और लगातार ड्यूटी से पुलिसकर्मियों को संक्रमण की आशंका के साथ ही नींद न आने, चिंता और तनाव जैसी तमाम बातें परेशान कर रही हैं। लखनऊ विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग सकी ओर से पुलिसकर्मियों के लिए शुरू किए गए काउंसलिंग कार्यक्रम में रोजाना इस तरह के सवाल पूछे जा रहे हैं। मनोविज्ञान विभाग के काउंसलर उनकी काउंसलिंग कर रहे हैं तथा इससे बचने के लिए तरीके भी सुझा रहे हैं।

काउंसलर्स के अनुसार लंबी ड्यूटी के तनाव से बचने के लिए पुलिसकर्मियों को नियमित रूप से व्यायाम करना चाहिए तथा हल्का भोजन करना चाहिए। विभागाध्यक्ष प्रो. मधुरिमा प्रधान ने बताया कि पिछले महीने हुए करार के बाद यह काउंसलिंग प्रक्रिया शुरू की गई है। अब तक सौ से ज्यादा पुलिसकर्मी काउंसलिंग के लिए संपर्क कर चुके हैं। काउंसलर्स ने पुलिसकर्मियों को बताया कि वे संक्रमण का कोई लक्षण होने पर अस्पताल में संपर्क करें। व्यायाम और हल्का भोजन बेहद जरूरी पुलिसकर्मियों को अपनी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए व्यायाम करने की सलाह दी गई है। व्यायाम से वे खुद को चुस्त दुरुस्त रख सकेंगे। पुलिसकर्मियों के साथ ही विद्यार्थियों में भी डर लविवि का मनोविज्ञान विभाग विद्यार्थियों के लिए भी काउंसलिंग सेवा आयोजित कर रहा है।

विभाग के शिक्षक डॉ. ललित सिंह के अनुसार काउंसलिंग के लिए संपर्क करने वाले विद्यार्थी पढ़ाई के लिए तो परेशान हैं ही, लेकिन काफी विद्यार्थियों को लगता है कि वे संक्रमित हैं। सामान्य जुकाम और खांसी कोरोना संक्रमण नहीं है। अगर जुकाम और खांसी के साथ ही उन्हें सांस लेने में समस्या हो तो फिर वे अस्पताल जाकर संपर्क कर सकते हैं।

लॉकडाउन ने चेताया पर्यावरण के प्रति गंभीर हो जाएं : प्रो. धुवसेन

लखनऊ। लॉकडाउन किसी जानवर या प्रकृति की अन्य धाराओं के लिए नही है। यह सिर्फ मानव जाति के लिए हैं। लॉकडाउन ने हमें बताया है कि हम लोग समय रहते प्रकृति और पर्यावरण के मुद्दे पर गंभीर हो जाएं। शिया कॉलेज ग्रीन कमेटी द्वारा 'लॉकडाउन के पहले और लॉकडाउन के बाद : पर्यावरण के संदर्भ में' विषय पर रविवार को आयोजित ऑनलाइन व्याख्यान में प्रो. धुवसेन सिंह ने यह बात कही। प्रो. सिंह ने कहा कि मानव जाति ने पर्यावरण का इतने शताब्दियों से दोहन किया है और उसको आराम करने का मौका तक नहीं दिया। प्रकृति हमसे लेती कुछ नहीं है, बदले में देती बहुत कुछ है। इसलिए इसका ध्यान रखना होगा। व्याख्यान में छात्र-छात्राओं ने भी कविता, ई-पोस्टर, पावर प्वाइंट प्रजेन्टेशन देकर व्याख्यान को एक रचनात्मक रूप दिया। कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. मिर्जा मोहम्मद एजाज अतहर ने तिलावत-ए-कुरान से की। शिया महाविद्यालय के प्रबंधक सैयद अब्बास मुर्तजा शम्सी ने मुख्य वक्ता को धन्यवाद दिया। कार्यक्रम के अंत में डायरेक्टर, सेल्फ-फाइनेन्स, डॉ. मिर्जा मोहम्मद अबू तल्यब ने सभी अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित किया। व्याख्यान में डॉ. प्रदीप शर्मा, डॉ. सरवत तकी सहित 150 से अधिक शिक्षक और छात्र-छात्राएं सम्मिलित हुए।

HINDUSTAN Page 5

कामकाजी लोगों के लिए पार्ट टाइम पीएचडी प्रोग्राम

लविवि

लखनऊ | वरिष्ठ संवाददाता

- विश्वविद्यालय प्रशासन ने प्रस्ताव तैयार किया
- नए सत्र से इस प्रस्ताव को लागू करने की तैयारी

लखनऊ विश्वविद्यालय ने शैक्षिक सत्र 2020-21 में पीएचडी में बड़ा बदलाव करने का फैसला लिया है। विश्वविद्यालय अब कामकाजी लोगों को भी पीएचडी करने का मौका देगा। इसके लिए पार्ट टाइम पीएचडी प्रोग्राम शुरू होगा।

विश्वविद्यालय के नए पीएचडी ऑर्डिनेंस में इसे शामिल किया जा रहा है। जल्द ही ऑनलाइन मोड पर एकेडमिक काउंसिल की बैठक कराकर इस पर मुहर लगाई जाएगी।

नए ऑर्डिनेंस में काफी बदलाव किए गए हैं। यहां कोर्स वर्क को भी च्वाइस बेस्ट क्रेडिट सिस्टम (सीबीसीएस) पर लाया जा रहा है। पार्ट टाइम पीएचडी का विकल्प चुनने वाले अभ्यर्थियों को कोर्स वर्क क्लास में राहत मिलेगी। शोधार्थियों को ऑनलाइन वाइवा जैसी सुविधाएं मिलेंगी। वहीं, उन्हें दफ्तरों के चक्कर भी नहीं लगाने पड़ेंगे।

कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बीते जनवरी माह में शोधार्थियों से संवाद करके उनकी समस्याओं को जाना था। उसी के आधार पर नए ऑर्डिनेंस को तैयार किया गया है।

वेबनार: शिक्षकों के लिए अपडेट होना बेहद जरूरी

लखनऊ | वरिष्ठ संवाददाता

- आर्यकुल कालेज ऑफ एजुकेशन ने कराया आयोजन

अच्छा शिक्षक बनने के लिए खुद को अपडेट करना बेहद जरूरी है। यह कहना है लखनऊ विश्वविद्यालय के शिक्षा संकाय के प्रो. दिनेश कुमार का।

वह रविवार को आर्यकुल कॉलेज ऑफ एजुकेशन की ओर से आयोजित टीचर्स डेवलपमेंट प्रोग्राम पर आधारित वेबनार में बोल रहे थे। प्रो.दिनेश कुमार ने शिक्षकों को वर्तमान आईटी के दौर में विभिन्न प्रकार के शैक्षिक साफ्टवेयर और नई दौर की किताबों के ज्ञान की विशेष जानकारी हासिल करने की सलाह दी। शिक्षकों को अनुशासन के बारे में बताते हुए प्रो. दिनेश ने कहा कि एक अच्छे शिक्षक को अपनी कक्षा और अपने जीवन में अनुशासन का पालन जरूर करना चाहिए। इससे बच्चों पर पढ़ाई का दबाव बन सके।

विवि कर रहा शोध की गुणवत्ता में सुधार का दावा

पार्ट टाइम पीएचडी के साथ विश्वविद्यालय नए सत्र में इंटीग्रेटेड पीएचडी प्रोग्राम भी लेकर आ रहा है। दावा है कि इससे शोध की गुणवत्ता में काफी सुधार आएगा। विश्वविद्यालय के प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से गठित समिति नए पीएचडी ऑर्डिनेंस पर काम कर रही है। दावा है कि नए ऑर्डिनेंस में पीएचडी से संबंधित यूजीसी के सभी दिशा-निर्देशों को शामिल किया गया है।